The Hitavada
NAGPUR ■ Friday ■ May 26 ■ 2017

Dr Pawade on Marathi Encyclopedia Production Board's advisory panel

■ **District Correspondent**
WARDHA, May 25

DR SATISH Pawade, Incharge Head of Department of Film and Drama of Mahatama Gandhi International Hindi University (MGIHU), Wardha, has been selected as member of Advisory Committee of Maharashtra State Marathi Encyclopedia Production Board by Maharashtra Government. Maharashtra Government has started 'Natyakala Dnyan Mandal' in Dr Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.

A well known dramatist, director, critic and stage performer, Dr Satish Pawade will play a vibrant role as advisor for the said board. He is the proud producer, director and writer of more than 50 dramas. He has organized more than 100 workshops to promote dramatic skill of the artistes.

Earlier, Dr. Satish Pawade has been conferred with Smita Patil Award, UNESCO Clubs,

(Contd on page 2)

Dr Pawade on Marathi...

Magnum Honour Award, Mama Warerkar Award, Rege Drama Criticism Award and Maharashtra State Best Drama Artist Award. He has been associated with Drama and Film Industries from last three decades and is also a producer, writer and director of Docudrama. His contribution to journalism as editor for many dailies, project co-ordinator and Media Consultant in MNCs and Reliance will provide great advantage in his new assignment.

FRIDAY, MAY 26, 2017

TheHitavada

MGIHU students join hands with villagers to beat water crisis

■ District Correspondent
WARDHA, May 25

VILLAGERS at Neri(Mirzapur) in Arvi tehsil of the district lauded the efforts of students of Mahatma Gandhi International Hindi University(MGIHU), Wardha as they actively participated in *Mahashramdan* under Satyameva Jayate Water Cup and spread the message to villagers on the importance of water conservation.

The students dug holes for the tree plantation, deepening of the canal-like structures for water supply and others in the village. Bala Sontakke, Sarpanch, mentioned that six wells and four borewells are in the village, but they are dry. Water is to be fetched from water from outside of the village. Various measures under Water Cup Competition in the village are being implemented to recharge the water resources. Hence, the village would become self-sufficient water management, hoped Sontakke.

The students of MGIHU and Mahatma Gandhi Ayurved College with Neri (Mirzapur) villagers.

Under the guidance of BS Mirge, PRO of MGIHU, students Godavari Thakur, Kiran Khanderao, Abhikant Gaikwad, Satwaji Wanole, Amit Mishra, Nitesh Bharadwaj, Rajdeep Rathod and Ashwin Sriwas guided villagers.

Bala Sontakke, Prof Ravi Sontakke, Ashwin Sawwalakhe, Laxman Walke, Raju Wankhede, Santosh Khandekar, Dr Shyam Bhutada, Dean of Mahatma Gandhi Ayruved College, Salod (Hirapur) motivated the students.

Under the guidance of Dr Bhutada, *Panchakarma Chikitsa Shibir* was conducted and the students of Ayurved College examined the patients.

दैनिक भास्कर
शुक्रवार, 26 मई 2017

डॉ. सतीश पावडे बने मराठी विश्वकोष निर्माण मंडल सलाहकार समिति के सदस्य

ब्यूरो|वर्धा

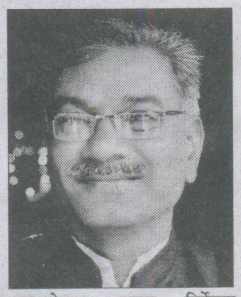

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के प्रदर्शनकारी कला (फिल्म एवं नाटक) विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. सतीश पावडे की राज्य सरकार द्वारा राज्य मराठी विश्वकोष निर्माण मंडल की सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नियुक्ति की गई है।

डॉ. सतीश पावडे मराठी विश्वकोष निर्माण मंडल के सलाहकार तथा विदर्भ प्रांत के लिए नाट्यकला अध्याय के लेखक, संकलन, संपादक और समन्वयक के रूप में कार्य करेंगे। डॉ. पावडे नाट्यलेखक, नाट्य निर्देशक, समीक्षक तथा रंगकर्मी के रूप में पहचाने जाते हैं। उन्होंने पचास से अधिक नाटकों का लेखन, निर्देशन तथा निर्माण किया है। सौ से अधिक नाट्य कार्यशालाएं उन्होनें संचालित की है। उनकी पंद्रह पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके पूर्व वे दो बार महाराष्ट्र सरकार के नाटक सेन्सर बोर्ड के सदस्य भी रह चुके हैं। स्मिता पाटील पुरस्कार, युनेस्को क्लब्स एवार्ड, मैग्नम ऑनर एवार्ड, मामा वरेरकर एवार्ड, रेगे नाट्य समीक्षा पुरस्कार, महाराष्ट्र सरकार के उत्कृष्ट नाटककार पुरस्कार जैसे कई पुरस्कार भी उन्हें अब तक प्राप्त हो चुके हैं।

वे विगत 30 वर्ष से नाटक एवं फिल्म क्षेत्र में सक्रिय हैं। पंद्रह वर्ष तक अखबारों में संपादक के रूप में कार्य किया।

दैनिक भास्कर
गुरुवार, 25 मई 2017

बी. एड, एम. एड. जनसंचार, फिल्म, नाटक, मनोविज्ञान, एमबीए, विदेशी भाषा में अध्ययन

हिंदी विवि में शुरू होंगे विविध पाठ्यक्रम

ब्यूरो | वर्धा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में इस वर्ष अनेक नए पाठ्यक्रमों की पढ़ाई होगी जिसमें मुख्य रूप से बी ए ऑनर्स शामिल है। हिंदी, अंग्रेजी, भाषाविज्ञान, पत्रकारिता, और मनोविज्ञान इन विषयों में बी ए ऑनर्स का अध्ययन होगा।

विश्वविद्यालय में एम ए, एमबीए, एमएड, एमएसडब्ल्यू, बीएड, एमएड(एकीकृत) बी वोक, की पढ़ाई पहले से हो रही है। इनमें भाषा प्रौद्योगिकी, इंफोर्मेटिक्स एंड लेंग्वेज इंजीनियरिंग, हिंदी साहित्य, तुलनात्मक साहित्य, प्रयोजनमूलक हिंदी एवं भाषा प्रबंध, उर्दु, मराठी, अंग्रेजी, संस्कृत, मास्टर ऑफ परफार्मिंग आर्टस(फिल्म एवं नाटक), गांधी एवं शांति अध्ययन, स्त्री अध्ययन, दलित एवं जनजातीय अध्ययन, बौद्ध अध्ययन, अनुवाद अध्ययन, प्रवासन तथा डायस्पोरा अध्ययन, जनसंचार, मानवविज्ञान, एमएसडब्ल्यू, शिक्षाशास्त्र,मनोविज्ञान में एमए तथा एमबीए, बीएड, एमएड, पाठ्यक्रमों का अध्ययन शामिल है। खास बात यह है कि यहां एमए के विद्यार्थियों को एक भारतीय या विदेशी भाषा भी पढ़ाई जाती है। इसके साथ ही कम्प्यूटर में दक्ष किया जाता है। यहां एमए के अलावा भाषा प्रौद्योगिकी, कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स, तुलनात्मक साहित्य, परफार्मिंग आर्टस, गांधी एवं शांति अध्ययन, स्त्री अध्ययन, दलित एवं जनजातीय अध्ययन, बौद्ध अध्ययन, अनुवाद, प्रवासन एवं डायस्पोरा, जनसंचार, मानवविज्ञान, सोशल वर्क और शिक्षाशास्त्र में एमफिल पाठ्यक्रम है। भाषा प्रौद्योगिकी, गांधी एवं शांति अध्ययन, दलित एवं जनजाति अध्ययन, जनसंचार, मानवविज्ञान, सोशल वर्क, शिक्षाशास्त्र, हिंदी साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन में पीएचडी कर सकते है। विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावासों की सुविधा उपलब्ध है। पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत अनुकूल, पांच मनमोहक पहाड़ियों पर बसे विश्वविद्यालय का संपूर्ण वाई-फाई है। शोध की संस्कृति को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों में नवाचार प्रयोगों को प्रोत्साहन देने के लिए अनेक उपक्रम एवं योजनाएं यहां चलायी जाती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के माध्यम से विद्यार्थियों में नई दृष्टि और बदलाव की दिशा का विकास किया जाता है। विद्यार्थी तकनीकी दृष्टि से सक्षम हो इसके लिए अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब, मीडिया तथा फिल्म स्टूडियो का निर्माण किया गया है।

दैनिक भास्कर

नागपुर. शुक्रवार, 26 मई 2017

इतिहास व राष्ट्रबोध पर विशेष व्याख्यान

देश का समृद्ध इतिहास सामने लाना आवश्यक : डा. पांडेय

ब्यूरो | वर्धा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में आयोजित विशेष व्याख्यान में सामाजिक कार्यकर्ता एवं अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. बाल मुकुंद पांडेय ने कहा कि देश के इतिहास को अंगरेजों ने तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया है। हमारे देश के इतिहास के कई तथ्यों को छुपाया गया है। हमारा इतिहास अत्यंत समृद्ध है। इसे युवाओं को अवगत कराने की जरूरत है। जनसंचार विभाग के स्टूडियो में आयोजित व्याख्यान में विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा मंचासीन थे। संचालन एवं डॉ. पाण्डेय का परिचय जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार राय ने दिया। इतिहास और पुरातत्व विषय के विशेषज्ञ डॉ. पांडेय ने इतिहास, संस्कृति व पुरातत्व अध्येता के रूप में देशा का प्रवास किया है। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि देश के योद्धाओं में छत्रपति शिवाजी महाराज, राणा रणजीत सिंह आदि को पढ़ने की जरूरत है। जिससे युवाओं में प्रेरणा जागृत हो। इस अवसर पर डॉ. पांडेय ने अध्यापकों एवं विद्यार्थियों के साथ चर्चा भी की। प्रारंभ में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने डॉ. पांडेय का शॉल और सूत की माला प्रदान कर स्वागत किया। कार्यक्रम में अधिकारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी प्रमुखता से उपस्थित थे।

शुक्रवार
२६ मे २०१७

सकाळ

डॉ. सतीश पावडे यांची नियुक्ती

वर्धा, ता. २५ : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील प्रदर्शनकारी कला (चित्रपट व नाटक) विभागाचे प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. सतीश पावडे यांची राज्य सरकारने 'महाराष्ट्र राज्य मराठी विश्वकोश निर्मिती मंडळाच्या सल्लागार समितीवर सदस्य म्हणून नियुक्ती केली आहे.

डॉ. सतीश पावडे मराठी विश्वकोश निर्माण मंडळाचे सल्लागार तथा विदर्भ प्रांताकरिता नाट्यकला अध्यायाचे लेखक, संकलक, संपादक आणि समन्वयक म्हणून कार्य करतील.

डॉ. पावडे यांची ओळख एक नाट्यलेखक, नाट्य निर्देशक, समीक्षक आणि रंगकर्मी म्हणून आहे. गेल्या ३० वर्षांपासून ते नाटक व चित्रपट क्षेत्रात सक्रिय आहेत.

शुक्रवार, २६ मे २०१७

पुण्य नगरी

मराठी विश्वकोष निर्मिती मंडळाच्या सल्लागार समितीवर डॉ. पावडे

वर्धा : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय येथील प्रदर्शनकारी कला (फिल्म व नाटक) विभागाचे प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. सतीश पावडे यांची महाराष्ट्र सरकारने 'महाराष्ट्र राज्य मराठी विश्वकोष निर्मिती मंडळाच्या सल्लागार समितीवर सदस्य म्हणून नियुक्ती केली आहे.

डॉ. सतीश पावडे मराठी विश्वकोष निर्माण मंडळाचे सल्लागार तथा विदर्भ प्रांताकरिता नाट्यकला अध्यायाचे लेखक, संकलक, संपादक आणि समन्वयक म्हणून कार्य करतील. डॉ. पावडे यांची ओळख एक नाट्यलेखक, नाट्य निर्देशक, समीक्षक आणि रंगकर्मी म्हणून संपूर्ण महाराष्ट्राला आहे. त्यांनी पन्नासहून जास्त नाटकांचे लेखन, निर्देशन तथा निर्मिती केली आहे. शंभराहून अधिक कार्यशाळाही त्यांनी आयोजित केल्या आहेत. त्यांची पंधरा पुस्तकं प्रकाशित आहेत. याआधी ते दोन वेळा महाराष्ट्र सरकाराच्या नाटक सेन्सर बोर्डाचे सदस्य राहिलेले आहे. त्यांना स्मिता पाटील पुरस्कार, युनेस्को क्लब्स एवार्ड, मैग्नम ऑनर एवार्ड, मामा वरेरकर एवार्ड, रेगे नाट्य समीक्षा पुरस्कार, महाराष्ट्र सरकारचा उत्कृष्ट नाटककार असे पुरस्कार प्राप्त झाले आहेत. गेल्या ३० वर्षांपासून ते नाटक व चित्रपट क्षेत्रात सक्रिय आहेत. त्यांनी संपादक म्हणून काम केले आहे. रिलायंस कंपनीत ते प्रोजेक्ट समन्वयक तथा मीडिया कंसलटेंट म्हणून कार्यरत होते. संगीत नाटक अकादमी, भारत सरकारने त्यांना एक रिसर्च फेलोशिपही दिली आहे. महाराष्ट्र राज्य मराठी विश्वकोष निर्मिती मंडळ, महाराष्ट्र सरकारने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठात 'नाट्यकला ज्ञान मंडळ' सुरू केले असून या प्रकल्पाचे संचालन समन्वयक म्हणून डॉ. जयंत शेवतेकर काम बघत आहेत. या विश्वकोषातील नाट्यकला अध्यायाचे संशोधन, परिक्षण करुन ते अद्ययावत केले जाणार आहे ज्यासाठी डॉ. पावडे विशेषज्ञ म्हणून सेवा देतील.

शुक्रवार, २६ मे २०१७

पुण्य नगरी

ग्रामीण प्रसार माध्यम कार्यशाळेचे आयोजन

वर्धा : केंद्र सरकारच्या माहिती व प्रसारण मंत्रालयांतर्गत कार्यरत नागपूर येथील पत्र सूचना कार्यालय, जिल्हा माहिती कार्यालय वर्धा, महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठ जनसंपर्क विभाग यांच्या सहकार्याने १६ जूनला गालिब सभागृह महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठ परिसर येथे ग्रामीण प्रसारमाध्यम कार्यशाळा आयोजित करण्यात आली आहे.

'वार्तालाप' कार्यक्रम सकाळी १०.३० ते सायंकाळी ५.१५ या कालावधीत आयोजित आहे. महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठचे कुलगुरु गिरिश्वर मिश्र कार्यशाळेचे उद्घाटन करतील तर माजी संपादक सुधीर पाठक या प्रसंगी बीजभाषण करतील. या कार्यशाळेत विकास संवादामध्ये ग्रामीण पत्रकारांची भूमिका : स्थानिक वृत्त - राष्ट्रीय दृष्टिकोन, ग्रामीण क्षेत्रात प्रभावी संवादामध्ये मुद्रित व इलेक्ट्रॉनिक माध्यमांची भूमिका, आजच्या संदर्भात गांधींजीची पत्रकारिता आणि विकास संवाद, कृषी संकटाच्या वेळी यशकथांची समर्पकता, आपत्ती व्यवस्थापनात वृत्तपत्रे आणि समाज माध्यमांची भूमिका, वस्तू आणि सेवा कर-कायदा : सकारात्मक पैलू, विकास-संवाद आणि पत्र सूचना कार्यालय या विषयांवर तज्ज्ञांची व्याख्याने आयोजित करण्यात आली आहे. या कार्यशाळेत सहभागी होण्याचे आवाहन आयोजकांनी केले आहे.

नागपुर | शुक्रवार, 26 मई 2017

राष्ट्रप्रकाश

विचार

डॉ. भदन्त कौसल्यायन के अनुसार बन रही एक विशिष्ट पहचान

'बौद्ध अध्ययन' पढ़ने की जरूरत है आज

आज पूरे विश्व में युद्ध, हिंसा, अराजकता, नफरत और असहिष्णुता का माहौल व्याप्त है, ऐसे में आज समस्त प्राणियों के लिए बौद्ध-धम्म-दर्शन की शान्ति, अहिंसा, मैत्री, दया, शील एवं करुणा की जरुरत है. भगवान बुद्ध के उपदेशों की प्रसांगिकता आज भी है.

वर्धा, जिला संवादक

बौद्ध दर्शन की व्यापक कल्याण की भावना का प्रचार-प्रसार एवं अध्ययन-अध्यापन और शोध, संपूर्ण प्राणी जगत के लिए बेहद जरूरी एवं उपयोगी है. यह बातें महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के

डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र के प्रभारी निदेशक डॉ. सुरजीत कुमार सिंह ने बतायी. उन्होंने कहा कि बौद्ध दर्शन मनुष्यता एवं समाज के लिए उच्च मानवीय मूल्यों, सदाचार व नैतिकता एवं विश्व-बंधुत्व की भावना को स्थापित करता है. आज दुनिया में पर्यावरण संरक्षण और आतंकवाद सबसे बड़ी समस्या है, इस विषय को केंद्र अपने पाठ्यक्रम में शामिल किये हुये है. बौद्ध धम्म एवं दर्शन से संबंधित अनेक दुर्लभ ग्रंथ, लेख, शिलालेख एवं अभिलेख ब्रह्मी लिपि, पालि भाषा, संस्कृत, बौद्ध संकर संस्कृत, चीनी भाषा, तिब्बती आदि भाषाओं में संकलित हैं. जिन पर अभी भी गम्भीर शोध किये जाने की आवश्यकता है. आज भी इनका हिंदी भाषा में अनुवाद, बौद्ध अध्ययन की अकादमिक तथा सामाजिक उपयोगिता के लिए बहुत जरूरी है. यह केंद्र विदर्भ के पुरातत्व बौद्ध स्थलों के ऊपर शोध करा रहा है, विदर्भ में किसान आत्महत्या देश की प्रमुख समस्याओं में से एक है, हजारों किसानों आज भी अपनी जान देते रहते हैं. लेकिन सरकार और विद्वान इस समस्या पर सही तरीके से आज भी हल नहीं निकाल पायें हैं. यह केंद्र किसानों की आत्महत्या पर बौद्ध दृष्टिकोण से शोध करा रहा है. आचार्य धर्मानंद कोसंबी के ऊपर हुए शोध हुआ पर पुस्तक भी प्रकाशित हो चुकी है. बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के बौद्ध धम्म ग्रहण करने के बाद भारत में दलितों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति पर शोध कार्य केंद्र ने किए हैं. केंद्र में बौद्ध अध्ययन और पालि भाषा को पढ़ने व सीखने के लिए उ.प्र., बिहार, झारखंड, म.प्र., छत्तीसगढ़, राजस्थान, उड़ीसा और महाराष्ट्र आदि राज्यों से विद्यार्थी देश भर से आते हैं. यह केंद्र की पिछले 10 वर्षों की सफलता का प्रतीक है. केन्द्र द्वारा बौद्ध अध्ययन में एम.ए., एम.फिल., पी-एच.डी. के अलावा बौद्ध अध्ययन, पालि भाषा एवं साहित्य, तिब्बती भाषा एवं धर्म, बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा में पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं. केन्द्र की भावी योजनाओं को लेकर उन्होंने कहा कि पाली भाषा एवं साहित्य के प्रचार प्रसार के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की पालि कांग्रेस और बौद्ध अध्ययन सोसायटी के अधिवेशन को आयोजित करना. अंतरराष्ट्रीय स्तर की बौद्ध अध्ययन की हिंदी में शोध पत्रिका का प्रकाशन. भारतीय उपमहाद्वीप में मिले बौद्ध स्थलों, सम्राट अशोक के स्तम्भों, शिलालेखों आदि का प्रारूप तैयार किया जायेगा. बौद्ध अध्ययन के महत्वपूर्ण ग्रथों का पालि भाषा, तिब्बती भाषा, मंदारिन भाषा, सिंहली भाषा से और बर्मी भाषा से हिन्दी में अनुवाद करने की एक वृहद योजना है. बौद्ध अध्ययन के व पालि भाषा के विद्वानों के जीवनवृत्त पर वृत्तचित्र बनाने, उनका साक्षात्कार लेने और उनके लेखन की पाण्डुलिपियों का संग्रहकर केंद्र के संग्रहालय में संगृहीत करने की वृहद योजना है.